

प्रेषक,

डी0 सेंथिल पाण्डियन,
सचिव,
उत्तराखण्ड

सेवा में,

निदेशक,
प्रारम्भिक शिक्षा, उत्तराखण्ड,
ननूरखेडा, देहरादून।

बेसिक शिक्षा (नवसृजित) अनुभाग

देहरादून: दिनांक: 10 दिसम्बर, 2015

विषय: वित्तीय वर्ष 2015-16 में प्रारम्भिक शिक्षा के अन्तर्गत प्रथम अनुपूरक मांग के माध्यम से व्यवस्थित धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-अर्थ-2/18169/5क(01)03/2015-16 दिनांक 09-11-2015 के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2015-16 में प्रारम्भिक शिक्षा के अन्तर्गत प्रथम अनुपूरक मांग के माध्यम से अनुदान संख्या 11(राजस्व व्यय) के आयोजनेत्तर पक्ष में 2202-01-104-05 विकास खण्ड स्तर पर उप शिक्षा अधिकारी कार्यालयों की स्थापना हेतु रू0 51040 हजार (रूपये पाँच करोड़ दस लाख चालीस हजार मात्र) की धनराशि संलग्न विवरणानुसार आपके निवर्तन पर रखते हुए निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं-

- (1) वित्त विभाग के शासनादेश सँ0 400/XXVII(1)/2015 दिनांक 01-04-2015 एवं शासनादेश सँ0-1336/XXVII(1)/2015 दिनांक 17-11-2015 में वर्णित शर्तों का अनुपालन निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि के व्यय में सुनिश्चित किया जायेगा।
- (2) व्यय करने से पूर्व यथास्थिति अधिप्राप्ति नियमावली के सुसंगत प्राविधानों सहित सुसंगत वित्तीय नियमों तथा प्रचलित प्रक्रियाओं का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (3) यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि उक्त स्वीकृत धनराशि को किसी ऐसे मद पर व्यय न किया जाय जिसके लिए वित्तीय हस्त पुस्तिका तथा बजट मैनुअल के नियमों के अन्तर्गत अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता हो।
- (4) अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत व्यय न किया जाय और इस प्रकार चालू वित्तीय वर्ष की देनदारी अगले वित्तीय वर्ष के लिए कदापि न छोड़ी जाय।
- (5) आवंटनों के अनुसार आहरित व्यय के विवरण निर्धारित तिथि तक शासन को अवश्य उपलब्ध करा दिये जाय। इसी प्रकार व्यय के संबंध में व्ययाधिक्य एवं बचतों के विवरण शासन की निर्धारित अवधि के अन्दर उपलब्ध करा दिये जाय।

- (6) मितव्ययता के संबंध में जारी किये गये शासनादेशों अथवा भविष्य में जारी होने वाले शासनादेशों का विशेष रूप से अनुपालन किया जायेगा।
- (7) व्यय संबंधी जो भी बिल कोषाधिकारी को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जाये उसमें लेखाशीर्षक के साथ-साथ अनुदान संख्या का भी उल्लेख किया जाय।

02- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-11 लेखाशीर्षक 2202 सामान्य शिक्षा-01-प्रारम्भिक शिक्षा 104-निरीक्षण -05-विकासखण्ड स्तर पर उप शिक्षा अधिकारी कार्यालय की स्थापना हेतु संलग्नक में उल्लिखित सम्बन्धित व्यौरेवार शीर्षक/सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामें डाला जायेगा।

भवदीय,

(डी0 सैथिल पाण्डयन)
सचिव।

सं0 /XXIV(1)/2015-11/2015/दुदिनॉक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

01. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड, ओवराय बिल्डिंग, देहरादून।
02. महालेखाकार(आडिट), महालेखाकार कार्यालय, वैभव पैलेस, सी-1/105 इन्द्रानगर, देहरादून।
03. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी उत्तराखण्ड।(निदेशक के माध्यम से)
04. राज्य परियोजना निदेशक, सर्व शिक्षा अभियान, ननूरखेड़ा देहरादून।
05. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
06. समस्त जिला शिक्षा अधिकारी, उत्तराखण्ड (निदेशक के माध्यम से)
07. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, देहरादून।
08. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
09. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर देहरादून।
10. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
(देवेन्द्र पालीवाल)
संयुक्त सचिव।

शासनादेश संख्या-406/XXIV(1)/2015-15/2014 दिनांक 10 नवम्बर, 2015 का संलग्नक।

(धनराशि हजार रू० में)

लेखाशीर्षक		मानक मद	आयोजनागत	आयोजनेत्तर
अनुदान संख्या-11		01-वेतन		22000
2202	सामान्य शिक्षा	03-मंहगाई भत्ता		26400
01	प्रारम्भिक शिक्षा			
104	राजकीय प्राथमिक विद्यालय			
05	बेसिक शिक्षा परिषद् का राजकीयकरण	06-अन्य भत्ता		2640
	योग-05			51040
	योग-104			51040

कुल 51040 (रू० पांच करोड़ दस लाख चालीस हजार मात्र)

(देवेन्द्र पालीवाल)
संयुक्त सचिव